संकलित परीक्षा–I (2011)
हिन्दी 'ब'
कक्षा –IX

440047

समयः 3 घंटे | अधिकतम अंकः 90

निर्देश :—

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

आधुनिक जीवन अपने साथ अनेक प्रकार की समस्याएँ लेकर आया है। 'जिनमें से एक सर्वाधिक संवेदनशील समस्या है-प्रदूषण'। वह समय बीत गया जब मनुष्य प्राकृतिक वातावरण के सभी सुख उठाता था, शुद्ध वायु और जल पीता था। आज हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो चुका है जिसमें हम साँस भी ठीक से नहीं ले पाते। आवश्यकताओं के कारण अनेक प्रकार के उद्योग लग गए हैं रासायनिक कचरा और कारखानों से निकला पानी हमारे जल संसाधनों को तथा धरती के उपजाऊपन को खतरा पहुँचा रहा है' प्रदूषित धुआँ वातावरण में ज़हरीली गैसें फैला रहा है, कीट–नाशक दवाइयाँ खाने–पीने की वस्तुओं में अपना प्रभाव छोड़ रही हैं, ध्वनि प्रदूषण मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव छोड़ रहा है। इस प्रकार जल, वायु, भूमि और ध्वनि प्रदूषण मिलकर मनुष्य के शारीरिक और मानसिक विकास पर अपना कुप्रभाव छोड़ रहे हैं। मिलावटी खान–पान और प्रदूषित वातावरण स मनुष्य मानसिक बीमारियों से घिर गया है। मानसिक तनाव, अनिद्रा, बेचैनी, अवसाद, साँस की बीमारियाँ, हृदयरोग, त्वचा के रोग आज के इसी के हित के लिए, हमारी नज़र में, योग्यता को आधार बनाना चाहिए। शिक्षा प्राप्त करने, स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने, नौकरी के लिए आवेदन करने, व्यापार करने का अधिकार सबको समान रूप से मिलना चाहिए।

1. आधुनिक जीवन की सर्वाधिक संवेदनशील समस्या क्या बताई गई है?

   (क) महँगाई (ख) सूख

   (ग) प्रदूषण (घ) जनसंख्या

2. रासायनिक कचरा और कारखानों से निकले पानी से क्या हानियाँ होती हैं?

   (क) वायु प्रदूषित होता है। (ख) जल और उपजाऊपन को खतरा पहुँच रहा है।

   (ग) कपड़े नाश होते हैं (घ) धरती प्रदूषित हो रही है।

3. कौनसा समय बीत गया?

(क) सब चीजें बहुत सस्ते दाम में मिलती थीं।

(ख) वेतन अधिक, खर्च कम था।

(ग) मनुष्य प्राकृतिक वातावरण के सभी सुख उठाता था।

(घ) तरह तरह के कपड़े पहनता था।

4. प्रदूषित धुएँ से —

(क) वातावरण में गैसें फैल रही है।

(ख) ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है।

(ग) बादल छा जाते हैं।

(घ) वातावरण में ज़हरोली गैसें फैल रही है।

5. आज के पर्यावरण की देन है—

(क) सुखद जीवन (ख) अनेक प्रकार की बीमारियाँ

(ग) नदी का शुद्ध जल (घ) पौष्टिक खाना

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 5

तथागत के प्रमुख शिष्य आनंद ने एक दिन तथागत को भिक्षु संघ को अंतिम उपदेश देने की बात कही। यह 'उपदेश' शब्द तथागत को चुभा क्योंकि बुद्ध ने कभी भी संघ का नेता बनने की कोशिश नहीं की। उन्होंने अपने शिष्यों से कभी भी कुछ नहीं छिपाया। उन्होंने आनंद को बताया कि अब वे अपने शरीर को अधिक चलाने के पक्ष में नहीं हैं। शोकाकुल स्वर में आनंद ने उनसे पूछा कि अब संघ के लिए क्या उचित है? गौतम बुद्ध ने आनंद को समझाया कि अपना रास्ता स्वयं खोजो। अपना दीपक स्वयं बनो। अपनी आत्मा की शरण में जाओ, धर्म की शरण में जाओ। धर्म और विनय का उपदेश ही भक्तों का पथ - प्रदर्शन करेंगे। वर्षावास की समाप्ति पर तथागत वैशाली लौट आए। लिच्छवियों के प्रति तथागत का स्नेह भाव था इसलिए उन्हें अपना भिक्षा - पात्र स्मृतिस्वरूप दिया था। पावा नगरी के निकट पहुँच भिक्षु संघ को संबोधित कर बुद्ध ने समझाया कि ठीक अर्थ जानने से ही किसी महापुरुष के नीतिकथन उपदेश आदि को भली - भाँति समझा तथा ग्रहण किया जा सकता है। धर्म - ग्रंथ में लिखी सूक्तियों का गलत अर्थ निकालने और उनके अनुसार चलने का मतलब है अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना। इससे धर्म का पतन होता है ।

(क) तथागत और आनंद क बीच रिश्ता था -

(i) प्रमुख शिष्य और गौण शिष्य का (ii) गुरु और शिष्य का

(iii) उपदेशक-उपदेष्टा का (iv) मित्रता का

रेवड़ी की बाँट में तू रेवड़ी बन जा
तिमिर के दरबार में दरबान - सा तन जा
थका - हारा, उठा गर्दन - जूझता मन
दूर उलझन! दूर उलझन, दूर उलझन!
चल खड़ा हो पैर में यदि लग गई ठोकर
खड़ा हो संघर्ष में फिर रोशनी होकर
मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में प्यारे
सत्य के संघर्ष में क्यों रोशनी हारें ।
देखते ही देखते तम तोड़ता है दम
और सूरज की तरह हम ठोकते हैं खम ।

(क) थके - हारे मन की क्या उलझन थी ?

(i) अँधेरे से न जीत पाने का संशय

(ii) भ्रष्टाचारियों का साथ देने की मजबूरी

(iii) सही - गलत का निर्णय न कर पाने की दुविधा

(iv) गलत मार्ग पर चलकर ही सुख-प्राप्ति का विश्वास

(ख) 'भीड़ अंधों की खड़ी खुश रेवड़ी खाती' से आशय है -

(i) भ्रष्ट आचरण का बोल बाला है ।

(ii) अंधे लोग मौज कर रहे हैं ।

(iii) आचरण का कोई मूल्य नहीं है ।

(iv) लाभ के लिए अंधा बन जाना उचित है ।

(ग) 'अँधेरा' किसका प्रतीक है ?

(i) रात का (ii) उदासीनता का

(iii) समाज का (iv) भ्रष्ट - व्यवस्था का

(घ) 'झुका दे तम - द्वार पर मस्तक' में कवि किस स्थिति की ओर संकेत कर रहा है ?

(i) दरवाज़े पर माथा झुका देना।

(ii) भ्रष्ट व्यवस्था को स्वीकार कर लेना

(iii) मत्यु को स्वीकार लेना।

(iv) दूसरों के प्रभुत्व को कम करना।

(ङ) 'मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में' का आशय है –

(i) मृत्यु से संघर्ष समाप्त हो जाता है ।

(ii) संघर्ष की स्थिति से पूर्व मृत्यु आना सौभाग्य है ।

(iii) मृत्यु के बिना संघर्ष अर्थहीन है ।

(iv) संघर्ष के पथ पर मिली मौत को सौभाग्य मानना चाहिए ।

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

जिसमें स्वदेश का मान भरा
आज़ादी का अभिमान भरा
जो निर्भय पथ पर बढ़ आए
जो महाप्रलय में मुस्काए
जो अंतिम दम तक रहे डटे
दे दिए प्राण, पर नहीं हटे
जो देश – राष्ट्र की वेदी पर
देकर मस्तक हो गए अमर
ये रक्त – तिलक – भारत – ललाट
उनको मेरा पहला प्रणाम ।
फिर वे जो आँधी बन भीषण
कर रहे आज दुश्मन से रण
वाणों के पवि संधान बने

जो ज्वालामुखी हिमवान बने
हैं टूट रहे रिपु के गढ़ पर
बाधाओं के पर्वत चढ़कर
जो न्याय – नीति को अर्पित हैं
भारत के लिए समर्पित हैं
कीर्तित जिससे यह धरा धाम
उन वीरों को मेरा प्रणाम!

(क) इस कविता में किस भावना का स्वर प्रबल है ?

(i) संघर्ष व विजय (ii) विद्रोह व युद्ध

(iii) देशप्रेम व बलिदान (iv) शांति व विकास

(ख) महाप्रलय में मुस्काए का तात्पर्य है –

(i) शत्रु को कड़ी चुनौती देना

(ii) प्रलय देखकर आनंदित होना

(iii) महाविनाश में भी निश्चिंत रहना

(iv) महाविनाश का स्वागत करना

(ग) 'जो अंतिम दम तक डटे रहे' में कवि किनकी ओर संकेत कर रहा है

(i) जो शत्रुओं को मारने तक युद्ध करते रहे ।

(ii) जो युद्ध – समाप्ति तक युद्ध करते रहे ।

(iii) जो घायल होने तक युद्ध करते रहे ।

(iv) जो अपनी मृत्यु तक दुश्मनों का सामना करते रहे ।

(घ) भारत के माथे का रक्त – तिलक किन्हें कहा गया है ?

(i) भारत के समाज सुधारकों को

(ii) शहीद हो जाने वाले वीरों को

(iii) नतमस्तक वीरों को

(iv) विकास में सहयोग देने वाले उद्योगपतियों को

(ङ) 'कीर्तित' शब्द का अर्थ है –

(i) यशस्वी (ii) शक्ति शाली

(iii) परिश्रमी (iv) भाग्य शाली

खण्ड 'ख'

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

हृदय, मातुश्री

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का उपयुक्त स्थान पर प्रयोग कीजिए। 1

नाइटोंजन, त्रिमूल्य

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए। 1

गङ्गा, कञ्चन

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए और अनुनासिक वाले शब्द दुबारा लिखिए। 1

पूंछ, मंद, मांद, गंदगी

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके नुक्ते वाले शब्द पुनः लिखिए। 1

तूफान, जमीदार, फाड़ना, जादूटोना

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त उपसर्गों को अलग-अलग करके लिखिए। 2

अनुगामी, संबंध

7. (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए – 2

कालिमा, चमकीला

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के अन्य पर्यायवाची रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए 2

(1) मेहमान का सत्कार कीजिए, क्योंकि -------- देवता माना जाता है।

(2) उपवन में फूल लगे हैं, माली -------- में फूलों की रक्षा करता है।

(3) भारत का झंडा ऊँचा उठाओ और संसार भर में इसकी --------- फहराओ।

(4) भारत की सेना को देखकर शत्रु -------- घबरा गया।

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **2**

(i) महंगाई के दौर में हमें अपनी आय और अपने .... का बहुत ध्यान रखना चाहिए।

(ii) प्रथम आने के लिए प्रिया ने आकाश .... एक कर दिया।

(iii) जीवन के .... चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

(iv) उत्कृष्ट कार्य करने वाला किसी भी परिस्थिति में .... कार्य नहीं करता।

(ख) निम्नलिखित शब्दों से ऐसे दो अलग-अलग वाक्यों की रचना कीजिए कि उनके दो अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाएँ। **2**

हार, कृष्ण

9. (क) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक उपयुक्त शब्द लिखिए। **2**

(i) जिसका कोई आकार न हो

(ii) जिसकी कोई इच्छा न हो

(iii) ईश्वर में विश्वास रखने वाला

(iv) नीचे लिखा हुआ

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए। **2**

(i) कुछ पाने के लिए किसी के सामने .... उचित नहीं।

(ii) परीक्षा के समय उसके सिर पर पढ़ाई का .... होता है।

(iii) अपने गीतों से लता ने महफिल में .... दिया।

(iv) प्रथम आने की बात सुनकर पिता जी .... समाए।

खण्ड 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो वो भी आदमी

(i) 'न्योछावर करता है' को कवि ने क्या कहा है?

(क) वारे है (ख) मारे है (ग) उतारे है (घ) पुकारे है

(ii) 'पगड़ी उतारे' का अर्थ है :

(क) अपमान करना (ख) सम्मान करना

(ग) अहंकार करना (घ) आग्रह करना

(iii) अच्छे आदमी का गुण है :

(क) दूसरों पर जान न्योछावर करना (ख) दूसरों को बेइज्जत करना

(ग) आदमी की जान लेना (घ) आदमी को धर्म विमुख करना

(iv) काव्यांश का मुख्य उद्देश्य है?

(क) आदमी के सकारात्मक पक्ष को उजागर करना

(ख) आदमी के नकारात्मक पक्ष को उजागर करना

(ग) आदमी के मध्य मतभेद को उजागर करना

(घ) आदमी के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों को उजागर करना

(v) उपर्युक्त काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग किया गया है?

(क) मैथिली (ख) अवधी

(ग) भोजपुरी (घ) उर्दू मिश्रित खड़ी बोली

अथवा

प्रभुजी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी

प्रभुजी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।।

प्रभुजी, तुम दीपक हम बाती, जाकी ज्योति बरै दिन - राती।

प्रभुजी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।।

(क) काव्यांश के रचयिता हैं :

(i) कबीरदास (ii) रहीम (iii) तुलसीदास (iv) रैदास

(ख) काव्यांश का मूल भाव है :

(i) चंदन और पानी मिलकर सुगंध फैलाते हैं।

(ii) भक्त और भगवान का घनिष्ठ संबंध है।

(iii) सोना सुहागे से चमकता है।

(iv) मोती पिरोने के लिए धागा चाहिए।

(ग) दीपक और बात्ती के उदाहरण से कवि बताना चाहता है कि :

(i) दिया-बत्ती करने से प्रकाश होता है।

(ii) दिया-बत्ती जलकर प्रकाश देते हैं।

(iii) भक्त और भगवान दिया बत्ती होते हैं।

(iv) भक्त में भगवान का ही प्रकाश होता है।

(घ) भक्त-भगवान के संबंधों के बारे में क्या नहीं कहा गया है ?

(i) दीपक - बत्ती (ii) मोती - धाग (iii) वर्षा - मोर (iv) चाँद-चकोर

(ङ) मोती - धागे का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(i) मोती और धागा दोनों सफ़ेद होते हैं।

(ii) धागे में पिरोने पर मोती की चमक पता चलती है।

(iii) ईश्वर मोती के समान कांतिमान है।

(क) क्या घटना घटित हो गई? उसका कारण क्या था।

(ख) इस घटना का कैंप पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ग) लेखिका कौन है? उसे आश्चर्य क्यों हुआ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3x3=9**

(क) लाख कोशिश करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती, क्यों ?

(ख) 'आदमीनामा' का मूल भाव स्पष्ट करें।

(ग) अवध नरेश कौन थे? उन्हें चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?

(घ) रैदास ने दूसरे पद में छुआछूत की बात क्यों की है?

15. निम्न में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **3+3=6**

(क) लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए गिल्लू क्या-क्या करता था?

(ख) गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया? 'गिल्लू' के आधार पर लिखिए।

(ग) स्मृति के लेखक को अपने बचपन में कौन सी वस्तु अधिक प्रिय थी और क्यों?

16. टीलियामुरा कस्बे में लेखक का परिचय किन दो प्रमुख हस्तियों से हुआ? उनका योगदान क्या था? **4**

अथवा

किन कारणों से 'स्मृति' के लेखक ने चिठ्ठियों को निकालने का निर्णय लिया?

खण्ड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । **5**

(क) **आलस्य : असफलता की प्रथम सीढ़ी**

- आलस्य क्या है?
- आलस्य के परिणाम
- आलस्य से बचने के उपाय

(ख) **सच्चा मित्र**

- सच्चा मित्र कौन?
- मुख्य विशेषताएँ व कर्त्तव्य
- कैसे करें चुनाव?

(ग) **पढ़ने का आनंद**

- पढ़ने का अनूठा आनंद
- संस्कृति व साहित्य की जानकारी
- ज्ञान में अभिवृद्धि

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : **5**

प्रात:कालीन सैर के लाभों का वर्णन करते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

अथवा

आपके जन्मदिन पर आपके मित्र ने एक उपहार भेजा है । मित्र को उपहार प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए धन्यवाद पत्र लिखिए ।